अथवा

धण्णस्स सत्थवाहस्स हत्थाओ ते पंच सालिअक्खए गेण्हइ, गेण्हित्ता सा एगंतमवक्कमइ, एगंतमवक्कमियाए मणोगए संकप्पे समुपज्जेत्था एवं खलु तायाणं कोट्ठागारंसि बहवे पल्ला सालीणं पडिपुण्णा चिट्ठंति, तं जया मम ताओ इमे पंच सालिअक्खए जाएस्सइ तया अहं अन्ने पंच सालिअक्खए गहाय दाहामि ति। संपेहित्ता ते पंच सालिअक्खए एगंते एडेइ।

6. ससुरगेहवासीणं चउजामायराणं कथा किस प्रकार जमाता को ससुराल में रहने की शिक्षा देती है ? इस तथ्य की विवेचना कीजिए।

7. 'रोहिणीणाए कहा कथा' के आधार पर ससुर द्वारा अपनी पुत्रवधुओं की ली गई परीक्षा की समीक्षा कीजिए।

8. 'सिप्पीपुत्तस्स कहा ग्रन्थ' के आधार पर पिता अपने पुत्र को शिल्पकला में निपुण बनाने हेतु किए गए कार्यों का विवेचन कीजिए।

9. प्राकृत कथा साहित्य की वर्तमान समय में प्रासंगिकता की समीक्षा कीजिए।

CPL–02

June – Examination 2022

Certificate in Prakrit Language Examination

प्राकृत भाषा में प्रमाण-पत्र

Paper : CPL-02

प्राकृत गद्य एवं पद्य

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **5×4=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

1. (i) समणसुत्तं में कुल कितनी गाथाएँ हैं ?

(ii) आचारांग सूत्र के अनुसार इस लोक में अतिदु:खी कौन रहता है ?

(iii) उत्तराध्ययन सूत्र के अनुसार ज्ञान-प्राप्ति के बाधक तत्त्व कौनसे हैं ?

(iv) दशवैकालिक ग्रन्थ के अनुसार धर्म क्या है ?

(v) लज्जावग्ग के अनुसार पृथ्वी किन **दो** लोगों के द्वारा धारण की गई है ?

(vi) 'गउडवहो' किस छन्द में लिखा गया है ?

(vii) शौरसेनी भाषा को सार्वभौमिकता प्रदान करने वाले आचार्य का क्या नाम है ?

(viii) मुनि श्री कस्तूरीविजय द्वारा रचित कथा का नाम लिखिए।

(ix) ज्ञाताधर्मकथा के दो स्कन्ध कौनसे हैं ?

(x) अवन्तिपुरी नगरी में रहने वाले शिल्पकार का क्या नाम था ?

खण्ड—ब **4×20=80**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

2. दशवैकालिक ग्रन्थ के आधार पर सिद्धि-प्राप्ति एवं भोग से मुक्ति की विवेचना कीजिए।

3. लज्जावग्ग ग्रन्थ के आधार पर नैतिक मूल्यों की समीक्षा कीजिए।

4. अधोलिखित गाथाओं में से किसी **एक** गाथा की सप्रसंग एवं व्याकरणात्मक टिप्पणी सहित व्याख्या कीजिए :

ता वित्थिण्णं गयणं ताव च्चिय जलहरा अइगहीरा।

ता गरुया कुलसेला जाव न धीरेहि तुल्लंति॥

अथवा

जे गुणे से मूलट्ठाणे, जे मूलट्ठाणे से गुणे।

इति से गुणट्ठी महता परितावेण वसे पमत्ते।

5. अधोलिखित कथाओं में से किसी **एक** कथा की सप्रसंग एवं व्याकरणात्मक टिप्पणी सहित व्याख्या कीजिए :

तया सो इंददत्तो वि सपुत्तो तत्थ समागओ। तं गणेसपडिमं दट्ठूणं पुत्तं कहेइ—''हे पुत्त! एसच्चिय सिप्पकला कहिज्जइ। केरिसी पडिमा निम्मविआ, इमाए निम्मावगो खलु धण्णयमो सलाहणिज्जो य अत्थि। पासेसु, कत्थ वि भुल्लं खुण्णं च अत्थि ? जइ तुमं एआरिसी पडिमं निम्मवेज्ज, तया ते सिप्पकलं पसंसेमि, नन्नहा।''